मंदिर में आ पुण्य कमा जैन भजन लिरिक्स

मंदिर में आ पुण्य कमा,
जीवन को अपने,
सफल बना,
जीवन में तेरे न होगा तनाव,
मँदिर में आ, अर्घ चढ़ा,
कर ले भजन,
और अभिषेक,
पुण्यो से मिलता,
नर भव एक,
मँदिर मे आ पुण्य कमा,
जीवन को अपने,
सफल बना।bd।

तर्ज – जीना यहाँ मरना यहाँ।

ये मानव जन्म जैन धरम,
अब तू न जाने कब पायेगा,
जिनवर को भज,
पापो को तज,
संसार सागर से तर जाएगा,
प्रभुजी की भक्ति में,
खुद को रमा,
जीवन को अपने,
सफल बना,
जीवन में तेरे न होगा तनाव,
मँदिर में आ, अर्घ चढ़ा,
कर ले भजन,
और अभिषेक,
पुण्यो से मिलता,
नर भव एक,
मँदिर मे आ पुण्य कमा,
जीवन को अपने,
सफल बना।bd।

जन्मो से था तेरा ये भाव,
शुभ कर्मों का ही था ये प्रभाव,
जिनवर को भज,
पापो को तज,
संसार सागर से तर जाएगा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मँदिर मे आ पुण्य कमा,
जीवन को अपने,
सफल बना।bd।

मंदिर में आ पुण्य कमा.
जीवन को अपने,
सफल बना,
जीवन में तेरे न होगा तनाव,
मँदिर में आ, अर्घ चढ़ा,
कर ले भजन,
और अभिषेक,
पुण्यो से मिलता,
नर भव एक,
मँदिर मे आ पुण्य कमा,
जीवन को अपने,
सफल बना।bd।

– गायक व गीतकार –
दिनेश जैन एडवोकेट इंदौर।
Ph. 8370099099

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com